Dabang Dunia (Indore), 17th November 2019, Dabang Dunia-2, Page-1

आईआईटी के दीक्षांत समारोह में प्रो. जैफरी एस कर्गेल ने कहा

विकास के लिए काम करना हमारा कर्त्तव्य

दबंग रिपोर्टर ■ इंदौर

हम जीवन में अपने-अपने क्षेत्रों में सफलता पाना चाहते हैं। हमारी सफलता में पैसा, अच्छी लाइफ स्टाइल शामिल हो गई है, जबकि हमें अपनी सफलता के बाद समाज व देश के लिए कुछ करना चाहिए, क्योंकि आज हम जो कुछ भी हैं वो अपने देश के कई बलिदानों के कारण हैं। यह हमारा कर्त्तव्य है कि हम इसकी सेवा करें।

यह बात यूएसए के जियोलॉजिस्ट व प्लेनेटरी साइंटिस्ट प्रो. जैफरी एस कर्गेल ने शनिवार को आईआईटी इंदौर के 7वें दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने आईआईटी से पढ़ाई पूरी करने वालों को डिग्री और टॉपर्स को मेडल से सम्मानित किया। आईआईटी निदेशक प्रदीप माथुर ने विद्यार्थियों से कहा कि आपने जो कुछ भी हासिल किया वो महत्वपूर्ण है। आपको सही गलत में पहचान करना सीखना चाहिए, यही बातें आपको जीवन के हर पड़ाव पर काम आएंगी। उन्होंने उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को बधाई दी। इस मौके पर 275 विद्यार्थियों का सम्मान किया गया, जिनमें 108 बीटेक, 29 एमटेक, 55 एमएससी और 83 पीएचडी शामिल थे।

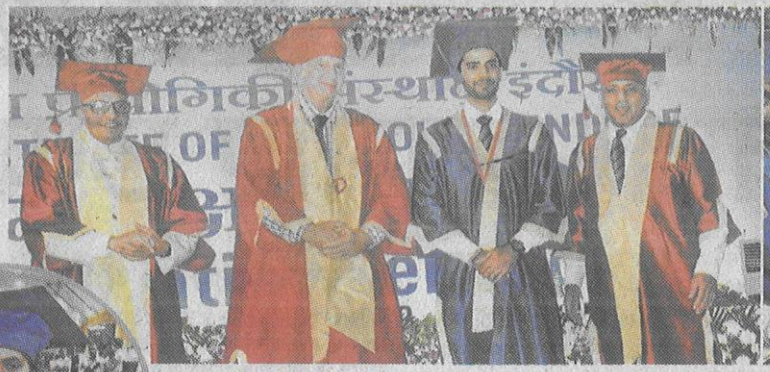

राष्ट्रपति का स्वर्ण पदक राहुल चौधरी को दिया गया। छह विद्यार्थियों को सिल्वर मेडल दिए गए। बेस्ट एकेडमिक परफॉर्मर के लिए केमिस्ट्री से विनीथा रेड्डी को अवॉर्ड दिया गया। समारोह में बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे। उपाधि प्राप्त करने वालों के साथ उनके परिजन भी उपस्थित थे। अपने बच्चों को मेडल लेता देख पैरेंट्स की आंखें नम हो गईं।

युवा रवींद्रनाथ टैगोर की किताब पढ़कर जीने का तरीका सीखें- प्रो. जैफरी ने विद्यार्थियों को संदेश देते हुए कहा कि विद्यार्थियों को रवींद्रनाथ टैगोर की किताबों, उनके विचारों, उनके आइडियाज को पढ़ना चाहिए, क्योंकि पहले के समय के सभी विद्यार्थी अधिक अंक पाने के लिए प्रतियोगिताओं में अपना समय गवाते थे, जबकि विद्यार्थियों को पढ़ाई करते वक्त उसे समझना जरूरी होता है, ना कि रटना, लेकिन वर्तमान पीढ़ी अधिक पैसा कमाने व अच्छी लाइफ स्टाइल के पीछे भागेगी, इसलिए उन्हें रवींद्रनाथ टैगोर की किताबें पढ़ना चाहिए। वो किताब उन्हें जीवन का सही अर्थ समझाते हुए उनके अस्तित्व, उनके कर्त्तव्यों का पालन करना सिखाएगी, क्योंकि रवींद्रनाथ टैगोर ने अपने जीवन में समाज के लिए भी काम किया है। हर इंसान का कर्त्तव्य है कि वो समाज के लिए काम करे। उन्होंने कहा कि आप चाहे कितनी भी सफलता क्यों न प्राप्त कर लें, लेकिन कभी किसी को नीचा न दिखाएं। देश के निर्माण में सहयोग प्रदान करें। इसके साथ ही विश्व के विकास में अपना अमूल्य योगदान दें।

सब मिलकर देश को प्लास्टिक मुक्त करें

प्लास्टिक पर चर्चा करते हुए प्रो. जैफरी ने कहा कि हम सबको मिलकर देश को प्लास्टिक मुक्त करना होगा। इसके साथ ही हम सबको मिलकर वातावरण को सुरक्षित करने के लिए पूरी क्रियाविधि को ही बदलना होगा। इसके तहत हमें प्लास्टिक को खत्म करने के लिए इसे रिसाइकिल जैसी क्रियाओं का उपयोग करना होगा। दिल्ली में बढ़ रहे प्रदूषण पर उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं है कि हम उस प्रदूषण को रोक नहीं सकते। वातावरण को कितना दूषित करना है और कितना प्रदूषित यह हमारे ही हाथों में है। इसके लिए हमें जल रही फसलों को रोकना होगा। फसलों को जड़ से खत्म करने के लिए कोई अन्य विकल्प खोजना होगा, क्योंकि इसके सीधे दुष्परिणाम आम जनता को भुगतना पड़ रहे हैं।